भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

SCOPE Eminence Awards समारोह में सम्बोधन

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2025

'SCOPE Eminence Awards', सही अर्थों में, भारत के विकास में Public Sector Enterprises के महत्वपूर्ण योगदान से देशवासियों को अवगत कराने का उत्सव है। इस पुरस्कार समारोह में, Public Sector Fraternity के आप सभी सदस्यों के बीच उपस्थित होकर, मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

ये पुरस्कार, उत्कृष्टता के विभिन्न आयामों पर असाधारण उपलब्धियों और विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। इसलिए, आज के सभी पुरस्कार विजेताओं को मैं हार्दिक बधाई देती हूं।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि सार्वजनिक क्षेत्र को मार्गदर्शन देने में, Department of Public Enterprises की भूमिका होती है। इसके लिए, मैं वित्त राज्य मंत्री, श्री पंकज चौधरी जी तथा DPE की पूरी टीम की सराहना करती हूं।

इस बात से मैं प्रभावित हुई हूं कि बदलते हुए Enterprise Performance Eco-system के साथ SCOPE Eminence Awards Scheme का

समन्वय किया गया है। Enterprises के holistic evaluation में कई आयाम महत्वपूर्ण हो जाते हैं। Social, Economic, Environmental, Technological तथा Ethical, सभी parameters पर अच्छा प्रदर्शन करना एक अच्छे enterprise की पहचान होती है, एक अच्छे enterprise-leader की विशेषता होती है। मैं ऐसे enterprises की तथा enterprise-leaders की विशेष सराहना करती हूं।

SCOPE द्वारा sustainable development, corporate governance, corporate social responsibility तथा innovation जैसे अनेक आयामों पर अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान करने की योजना, प्रगति और विकास के प्रति समग्र दृष्टिकोण का परिचय देती है। ऐसे दृष्टिकोण के अनुसार, उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के प्रयास की मैं सराहना करती हूं।

मुझे बताया गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों तथा उनकी leadership को मान्यता देने हेतु SCOPE Awards के आयोजन की एक सराहनीय परंपरा रही है। इस परंपरा को, नई सोच के साथ, आगे बढ़ाने के लिए मैं SCOPE की सराहना करती हूं।

SCOPE Eminence Awards के निर्णायक मंडल के अध्यक्ष, भारत के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश, श्री टी.एस. ठाकुर एवं अन्य सदस्यों ने निष्पक्षता और सूझ-बूझ के साथ पुरस्कार विजेताओं का चयन किया है। इसके लिए मैं पूरी चयन समिति की सराहना करती हूं।

देवियो और सज्जनो,

स्वाधीनता के बाद से, Public Sector, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश का एक शक्तिशाली माध्यम रहा है। Public Sector Enterprises ने औद्योगीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, सामाजिक उत्थान और संतुलित

क्षेत्रीय विकास की आधारशिला तैयार की थी। समय के साथ, इन enterprises का विकास हुआ, इनमें बदलाव भी आए। सरकार और समाज की Public Sector Enterprises से अपेक्षाएं भी बदली। यह खुशी की बात है कि इन सभी परिवर्तनों के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, अपने प्रदर्शन से, आर्थिक तथा राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुझे बताया गया है कि Revenue और Profit के महत्वपूर्ण financial parameters पर Public Sector Enterprises ने निरंतर प्रगति की है। आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि तीन-चौथाई से अधिक Central Public Sector Enterprises, profit making हैं। पिछले दस वर्षों के दौरान Public Sector Enterprises का Central Exchequer को योगदान कई गुना बढ़ा है। पिछले दशक में Central Public Sector Enterprises के net-profit में भी बहुत अधिक वृद्धि हुई है। इस प्रकार, कुल मिलाकर, सरकार ने सार्वजनिक उद्यमों में जो निवेश किए हैं उनके लाभकारी परिणाम मिलते रहे हैं। आर्थिक और वित्तीय योगदान के अलावा, इन उद्यमों द्वारा संतुलित और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी गई है, राष्ट्रीय लक्ष्यों को सर्वोपरि रखा गया है। सार्वजनिक उद्यमों की भूमिका और योगदान को देखते हुए यह कहना सर्वथा उचित है कि Public Sector Enterprises are catalysts of growth and pillars of prosperity for the nation and its people.

इन उद्यमों ने governance और transparency के अनेक अच्छे models और examples प्रस्तुत किए हैं। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपने empowerment का विवेकपूर्ण उपयोग कर रहे हैं तथा राष्ट्रीय विकास में और अधिक योगदान दे रहे हैं।

'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में CPSEs प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। 'Make-in-India' के राष्ट्रीय अभियान में वे महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। स्वदेशी उत्पादन-क्षमता के विकास में Public Sector Enterprises सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। इस संदर्भ में, Defence Sector का मैं विशेष उल्लेख करना चाहूंगी। ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद के विरुद्ध मानवता की विजय का एक स्वर्णिम अध्याय है। इस ऑपरेशन में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के साथ-साथ, भारत पर हमले के प्रयासों को पूरी तरह नाकाम कर दिया गया। आकाश-तीर नामक पूरी तरह से भारत में निर्मित Air Defence Control and Reporting System ने अचूक क्षमता का परिचय दिया। इस system के निर्माण में Public Sector Enterprises की भूमिका रही है। यह Public Sector Fraternity के लिए विशेष गर्व की बात है। राष्ट्रीय सुरक्षा में Self-reliant innovation तथा भारत की बढ़ती हुई तकनीकी आत्मनिर्भरता में सार्वजनिक उद्यमों का योगदान सिद्ध हुआ है। Agriculture, Mining and Exploration, Manufacturing, Processing and Generation तथा Services के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में Public Sector Enterprises ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के सिद्धान्त, Public Sector Enterprises का मूल-मंत्र रहे हैं। देश के सम्मुख आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने सदैव अग्रणी योगदान दिया है। यह कहा जा सकता है कि competitive होने के साथ-साथ, सार्वजनिक उद्यम राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ आगे बढ़ते रहे हैं और वे इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे।

देवियो और सज्जनो,

Women Led Development को बढ़ावा देना हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में से एक है। Outstanding Women Leadership Award के द्वारा

women professionals को प्रोत्साहित करने के प्रयास के लिए SCOPE की जितनी भी सराहना की जाए वह कम है। किसी भी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के लिए महिलाओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, आज पुरस्कार प्राप्त करने वाली women leaders की मैं विशेष प्रशंसा करती हूं। लेकिन, women leaders की अन्य women leaders से तुलना करने की सोच से आगे बढ़ने की जरूरत है। देश के सभी संस्थानों और व्यक्तियों को इस सोच के साथ आगे बढ़ना होगा कि Excellence is gender neutral. Women leaders can compete for excellence without any special weightage or category. Individual Leadership Excellence Award category में आज women professionals को commendation plaque प्रदान किया गया है। मैं आशा करती हूं कि भविष्य में उन्हें Award प्रदान करके उनकी योग्यता का समुचित सम्मान किया जाएगा। आज महिलाएं, अवसर दिए जाने की प्रतीक्षा नहीं कर रही हैं। वे स्वयं अपने लिए अवसर पैदा कर रही हैं। महिलाएं नेतृत्व प्रदान कर रही हैं।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में CPSEs की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। CPSEs समुदाय के आप सभी सदस्यों से मैं अपेक्षा रखती हूं कि आपके सभी निर्णय राष्ट्र-निर्माण के लिए समर्पित होंगे, आपके सभी कार्य नैतिकता पर आधारित होंगे तथा आपकी सोच संवेदनशीलता और समाज-सेवा से प्रेरित होगी।

मुझे विश्वास है कि भारत को आत्मनिर्भर आर्थिक महाशक्ति बनाने में Public Sector Fraternity की निर्णायक भूमिका रहेगी। मैं सभी Central Public Sector Enterprises के स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामना करती हूं।

धन्यवाद!

जय हिंद!

जय भारत!